सादा फाइबर झोला (सपिङ्ग ब्याग) चाहिएमा सम्पर्क गर्नुहोला ।

प्रो. टीकाराम चौधरी
शुभम् कम्प्युटर एण्ड स्क्रीन पिन्ट
धनगढी, बसपार्क (निकासरोड)
मोबाइल नम्बर:
९८०४६१३८३९, ९८६८७७१५४८

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

लैङ्गिक समानता बोलेर वा लेखेर मात्र प्राप्त हुँदैन । परिणाम प्राप्तिका लागि प्रत्येक व्यक्तिले व्यवहारिक सुरूवात आफैबाट गर्नुपर्दछ । परिवर्तनको प्रारम्भ आफ्नै घरबाट गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २१ अंक २६९ वि.सं. २०८१ बैशाख ०९ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४७) [Sunday 21 April 2024] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

लोप हुइटी रहल भाषा संस्कृतिप्रति चिन्ता

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ८ बैशाख । आदिवासी जनजाति थारु समुदायके लोप हुइटी रहल लोक कला, भाषा संस्कृतिप्रति एक कार्यक्रमके सहभागीहुक्के चिन्ता व्यक्त करले बटैं ।

थारु लेखक संघ, नेपाल धनगढी कैलालीके शनिच्चरके रोज हुइल दुसरा अधिवेशन कार्यक्रमके सहभागीहुक्के आपन धारणा रख्टी चिन्ता व्यक्त करल हुइट ।

थारु लेखक संघ नेपालके केन्द्रीय अध्यक्ष डा. कृष्णराज सर्वहारी थारु लोक कला, भाषा संस्कृति संरक्षण कैना सक्कु जनहनके दायित्व रहल बटाइल रहिट ।

'थारु भाषा संस्कृति संरक्षण सम्बर्द्धन कैना सबसे बरवार जिम्मेवारी थारु समुदायके हो', उहाँ कहलै, 'हम्रे आपन समुदायके रीति संस्कृति सम्बन्धी लेख रचना लिखके हुइठ् कि कौनो म्युजिक भिडियो, डकुमेन्ट्री बनाके हुइठ् उ सक्कु हमार जिम्मेवारी हो ।'

प्रतिभा अक्षयकोषके संरक्षक, रोडन फर्मेसी प्रालिके संचालक चन्द्रसिंह चौधरी थारु लेखक संघ नेपालहे आघे बह्राई सक्कुसे समन्वय करके आघे बह्रना सुझाव डेलै । उहाँ कहलै,'थारु लेखक संघ बौद्धिक व्यक्तित्वहे संस्था हो । अब्बे प्रगती हेरेबेर थारु समुदायके कला, संस्कृति संरक्षणमेफे करल विल्गाइल बा ।'

थारु नागरिक समाजके दिलबहादुर चौधरी आपन रीति रिवाज छोटी जैना मने आनकहे अंगल्टी गैल ओरसे थारु संस्कृति लोप हुइटी गैल बटाइल रहिट ।

थाकस कैलालीके पूर्व कार्यवाहक सभापति माधव चौधरी लोप हुइटी रहल भाषा संस्कृतिहे बचाइक लाग युवा पुस्ता लागे पर्ना बटाइल रहिट ।

रानाथारु डटकमके सञ्चालक नन्दलाल राना रानाथारु लोक कला भाषा संस्कृति दिनदिने हेरैटी गैल बटैलै ।

'कुछ समय पहिले रानाथारु समुदायके टरटिहुवार चालचलन अनुसार मनाइट, समय अनुसार गीतबाँस ओ नाचकोर फेन करिट,' उहाँ कहलै, 'अब्बे लावा पुस्ता उहीहे बिस्रैटी गैल बा, यहाँसम कि अब्बे रानाथारु समुदायके लोकप्रिय टिहुवार होरीमे नाच जैना होरी नाचके लाग डंका बजुइया ओ नचुइया मनै खोज्ले नैमिल्ठै ।' ओस्टके रानाथारु भाषा फेन हेरैटी गैल प्रति उहाँ चिन्ता व्यक्त करल रहिट । 'रानाथारु समुदायके जनसंख्या घट्टी गैल बा, उहीसे बोली भाषामे फेन असर परल बा', उहाँ कहलै, 'इ समस्याप्रति समयमे ध्यान नैडेलेसे रानाथारु समुदायके लोक कला, भाषा संस्कृति हेरैना समय नैलागी ।'

उहाँ रानाथारु समुदायके बारेम लिखुइया पहुइया व्यक्ति फेन कम मात्रामे रहल ओरसे मिडिया सञ्चालनमे फेन समस्या आइल बटाइल रहिट । ओस्टके उहाँ रानाथारु समुदायके लोप हुइटी रहल लोक कला भाषा संस्कृति संरक्षणमे एकजुट होके लागे पर्ना बटाइल रहिट ।

पहुरा थारु दैनिकके सम्पादक प्रेम चौधरी थारु भाषाके पत्रिका चलैना चुनौती रहल बटाइल रहिट । उहाँ थारु भाषाके लेख रचना नैहोके दैनिक पत्रिका सञ्चालनमे चुनौती थपल बटाइल रहिट । उहाँ कहलै, 'पहिले समय सन्दर्भ अनुसार लेखकहुक्के पत्रिकाके लाग लेख रचना लिखके पठाइट, मने कुच बरस यहोर लिखुइया व्यक्ति फेन निश्क्रिय जैसिन हुइल लागठ् ।'

पत्रपत्रिका फेन लोक कलाभाषा संस्कृतिहे दस्तावेजीकरण सहित संरक्षण सम्वर्द्धनमे टेवा पुगैना हुइल ओरसे उहाँ सक्कु लेखकहुक्कनहे थारु भाषामे लेख रचना लिखके मिडिया सञ्चालनमे सहयोग कैना आग्रह करल रहिट ।

कार्यक्रममे थारु लेखक तथा बुद्धिजीवी शेखर दहित थारु समुदायके कौनोफे काम करेबेर दस्तावेजीकरणके कमी रहल बटैलै । उहाँ दस्तावेजीकरण हुई नइसेकलपाछे पौराणिक संस्कृति, सम्पति लोप हुइटी रहल बटैलै ।

थारु साहित्यकार तथा लेखक सोम डेमनडौरा, दहिटान घरके संचालक बसन्ती चौधरीलगायतसे मन्तव्य रख्टी संघके दुसरा अधिवेशनके सुभकामना ओ लौवा कार्यसमितिहे बढाई ज्ञापन करल रहिट । कार्यक्रममे संघके सचिव अनिल चौधरी बार्षिक प्रगती ओ कोषाध्यक्ष दुर्जन चौधरी लेखा प्रतिवेदन प्रस्तुत करल रहिट । संघके अध्यक्ष जीतबहादुर चौधरीके अध्यक्षमे हुइल कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य लक्ष्मी राना ओ संचालन अनिल चौधरी करल रहिट ।

मनोसामाजिक अपांता सम्बन्ध जनचेतना कार्यक्रम निम्जल

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ८ बैशाख । धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं १५ मे २ दिने मनोसामाजिक अपांता सम्बन्धी जनचेतना तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम निम्जल बा ।

कोशिश कैलालीके आयोजनामे धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नम्बर १५ के आर्थिक सहयोगमे कार्यक्रम हुइल रहे । संस्थाके अध्यक्ष मनोज चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके बरका पहुना धनगढी-१५ के वडा सदस्य तथा कार्यपालिका सदस्य सुष्मा चौधरी, विशिष्ट पहुना वडा सदस्य मंगली साकीं, राष्ट्रिय अपाङ महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष मानबहादुर साउँद रहल रहिट ।

मनोसामाजिक अपांताके बारेमे जनचेतनामुलक कार्यक्रममे सहभागी हुइलहुक्के ढेर विषय वस्तुके बारेमे जन्ना सिख्न मौका मिलल कार्यक्रमके बरका पहुना सुष्मा बटैली । यी वडासे आर्थिक सहयोग अइना दिनमेफे सहयोग कैना उहाँ प्रतिबद्धता जनैली ।

कार्यक्रममे मानसिक स्वस्थय, आत्महत्या, मानसिक स्वस्थय समस्या व्यवस्थापन, अपांता सम्बन्धी विषयमे जनचेतनामुलक अन्तरक्रिया कार्यक्रम हुइल रहे । कार्यक्रममे प्रशिक्षकके रुपमे राष्ट्रिय अपाङ महासंघ सुप प्रदेश अध्यक्ष मानबहादुर साउद, नोभा हस्पिटलके साइकेट्रीक डा. रामप्रसाद लामिछाने, निसर्ग हस्पिटलके मनोविमर्शकर्ता डा. सुशील चटौट, कोशिश नेपाल धनगढीके मनोविमर्शकर्ता पशुपति खाती खड्का रहल रहिट ।

कार्यक्रममे समाजसेवी, बुद्धिजीवी, स्थानीय, भल्मन्सा,महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविका तथा प्रशिक्षकके उपस्थिति रहल रहे ।

थारु लेखक संघ कैलालीके अध्यक्षमे फेरसे जीतबहादुर

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ८ बैशाख । थारु लेखक संघ कैलालीके अध्यक्षमे फेरसे जीतबहादुर चौधरी 'ट्रासन'हे चयन कैगिल बा ।

संघ शनिच्चर धनगढीमे हुइल दुसरा जिल्ला अधिवेशनसे उहाँक अध्यक्षतामे नौ सदस्यीय कार्यसमिति सर्वसहमतसे चयन कैगिलक हो । संघके उपाध्यक्षमे कविता चौधरी, सचिवमे अनिल कुश्मी, सहसचिवमे दिनेश चौधरी ओ कोषाध्यक्षमे दुर्जन चौधरीहे चयन कैगिल बा ।

वसहेक सदस्यमे राजु चौधरी, लक्ष्मी राना, बालमोति चौधरी ओ रामु चौधरी रहल निर्वाचन मण्डलके संयोजक अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी जनैलै ।

निर्वाचन मण्डलके सदस्यमे वसन्ती चौधरी ओ बाँधु हरदिउला रहल रहिट । अधिवेशन जिल्ला अध्यक्ष जीतबहादुर चौधरी 'ट्रासन' के घरगोसियामे हुइल रहे ।

अभिवेशनसे पहिले सहभागी थारु बुद्धिजीवी तथा लेखकहुक्के थारु लेखक संघके आजीवन सदस्य संख्या बह्राइ परना सुझाव डेहल रहिट । संघसे थारु समुदायके भाषा कला संस्कृति जगेरनाके लाग टमान कार्य करटि आइल बा ।

कैलालीके सात लडियामे तटबन्ध निर्माण सुरु

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ८ बैशाख । जिल्लाके टमान भाग होके बहना सात ठो लडियामे तटबन्ध निर्माण सुरु हुइल बा । कटैनी, गौरीगंगा, शिवगंगा, घुराहा, कान्द्रा, काँडा ओ ठूलीगाडमे तटबन्धके काम सुरु हुइल हो ।

प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक बरसमे लडिया कटान नियन्त्रण तथा रोकथाम कैना १७ करोड छ लाख बजेट विनियोजन करल जलस्रोत तथा सिँचाइ विकास डिभिजन कार्यालय जनैले बा । गौरीगंगा नगरपालिकास्थित कटैनी लडियामे दुई सय ८०, गौरीगंगा दुई सय ३०, शिवगंगा एक सय ६५ ओ कैलालीके घुराहा लडियामे एक सय ५० सहित आठ सय २५ मिटर तटबन्धके लाग तीन करोडके ठेक्का सम्झौता हुइल बा ।

बर्दगोरिया गाउँपालिकाके काँडा लडियामे तटबन्ध निर्माणके लाग पाँच करोडके ठेक्का सम्झौता होके धमाधम काम हुइटी रहल डिभिजन प्रमुख अमरबहादुर पाल बटैलै । कान्द्रा लडियामे तटबन्ध निर्माणके लाग नौ करोडके ठेक्का सम्झौता होके काम सुरु हुइल बा । घोडाघोडी नगरपालिका-१० लठैया, ११ मगहवा ओ १२ को अम्मारीमे एक किलो १६ मिटर तटबन्ध निर्माणके काम सुरु हुइल डिभिजन प्रमुख पाल बटैलै ।

ओस्टके मोहन्याल गाउँपालिका-४ खिमडीस्थित ठूलीगाडमे सात सय ५६ मिटर तटबन्ध निर्माणके लाग चार करोडमे ठेक्का सम्झौता हुइल बा । डिभिजन कार्यालयके प्रमुख पाल नौ महिनाभित्रे तटबन्धके काम सम्पन्न कैना मेरके ठेक्का सम्झौता हुइल बटैलै ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

महाकाली अस्पतालमे जनशक्ति अभाव

कञ्चनपुर, ८ बैशाख । मुलुकमे संघीयतापाछे महाकाली प्रादेशिक अस्पतालके रुपमे स्तरोन्नति हुइलेसे फेन अस्पतालसे पर्याप्त जनशक्ति ओ स्वास्थ्य उपकरण अभावके कारण बिरामी 'रिफर' करे पर्ना बाध्यता रहल बा । विसं २०२० मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रके रुपमे स्थापना हुइल कञ्चनपुरके महेन्द्रनगरस्थित प्रादेशिक अस्पताल २०३१ मे २५ शय्याके जिल्ला अस्पतालमे परिणत हुइल रहे ।

जिल्ला अस्पतालसे स्तरोन्नति हुइटी २०४३ सालमे ५० शय्याके अञ्चल अस्पताल (रेफरल सेन्टर)के रुपमे परिणत हुइल रहे । महाकाली प्रादेशिक अस्पताल व्यवस्थापन समितिके अध्यक्ष कृष्णानन्द भट्ट यहाँ स्वीकृत स्थायी दरबन्दीअनुसार ११ तहके विशेषज्ञ चिकित्सक चार जाने ओ नर्वौं ओ १० तहके विशेषज्ञ चिकित्सक १६ जनहनके दरबन्दी रहल जानकारी डेलै । "यहाँ २० जाने विशेषज्ञ चिकित्सकके दरबन्दीमे हाल १२ जाने किल विशेषज्ञ चिकित्सक बाटै", उहाँ कहलै, "छ जाने मेडिकल अधिकृतके दरबन्दीमे १३ जाने ओ एक जाने डेन्टल सर्जनके दरबन्दीमे तीन जाने कार्यरत रहल बाटै ।"

उहाँ अब्बे एक जाने चिकित्सक किल स्थायी रहल बटैलै । ओहकान अनुसार अन्य चिकित्सक नेपाल सरकारके छात्रवृत्ति करार ओ अस्पताल व्यवस्थापन समितिसे करारमे कार्यरत रहल बाटै ।

जनशक्ति किल नैहोके अस्पतालसे स्वास्थ्य उपकरण अभावके कारण यहाँसे बिरामीके अन्यत्र रेफर करे परल उहाँके कहाइ रहल बा । "हमार यहाँ उपचार सम्भव बा मने उपकरण नैहो", समितिके अध्यक्ष भट्ट कहलै, "यहाँ सिटिस्क्यान तथा एमआरआइ मेसिनके आवश्यकता रहल बा ।"

ओहकान अनुसार अस्पतालमे सि-आर्म मेसिन, युएसजी मेसिन, इको मेसिन जैसिन उपकरणके सीमितताके कारण यहाँ अउइया सेवाग्राही उपचार नैपाके घुमे पर्ना अवस्था रहल बा । "हमारसँग उपलब्ध उपकरण फेन बेलाबेला बिग्रटी रख्ना हुइल ओरसे फेन सेवाग्राही मार्कामे पर्ना करल बाटै", अध्यक्ष भट्ट कहलै, "यकर लाग हम्रे घरी घरी सरकारके ध्यानाकर्षण करैले बाटी ।"

अब्बे अस्पतालमे हाडजोर्नी विशेषज्ञ दुई जाने, जनरल सर्जन एक जाने, स्त्रीरोग विशेषज्ञ एक जाने, बालरोग विशेषज्ञ दुई जाने, नाक कान घाँटी विशेषज्ञ एक जाने, एनेस्थेसियोलोजिस्ट एक जाने, एमडिजिपी तीन जाने ओ रेडियोलोजिस्ट एक जाने कार्यरत रहल बाटै । अस्पतालमे साइक्याट्रिक विशेषज्ञ, जनरल फिजिसियन, प्याथोलोजिस्ट, डर्माटोलोजिस्ट विशेषज्ञ किकित्सके दरबन्दी रलेसे फेन हालसम दरबन्दीअनुसारके चिकित्सक उपलब्ध हुइ सेकल नैहुइट ।

उहीसे आघेक निर्वाचनके बेला यहाँके राजनीतिक दलके उम्मेदवार महाकाली अस्पतालहे सुधार कैना प्रमुख एजेन्डा बनैलेसे फेन अस्पतालके स्तर सुधार करक लाग यहाँके जनप्रतिनिधि उदासिन डेखल यहाँके स्थानीय बटैठै । "तुलनात्मकरुपमे पहिलेसे अब्बे अस्पतालके अवस्था सुधार हुइटी गैलेसे फेन स्थापनाकालसे नै यहाँ दरबन्दीअनुसारके विशेषज्ञ चिकित्सक नैआइल हुइट," यहाँके समाजसेवी लीलाध्वज बस्नेत कहलै, "रहल चिकित्सक फेन स्वास्थ्य उपकरणके अभावमे गुणस्तरीय सेवा प्रदान करे सेकल नैहुइट ।" उहाँ यहाँके जनप्रतिनिधि स्वास्थ्य क्षेत्रमे पर्याप्त बजेट विनियोजन करक लाग पहल करे पर्ना बटैलै ।

अस्पतालमे भौतिक संरचना पर्याप्त बावै । कुछ संरचना निर्माणाधीन अवस्थामे रहल बावै । मने वर्षौंसे अस्पतालमे दरबन्दीअनुसारके चिकित्सक अभाव बाटै कलेसे आवश्यक उपकरणसमेत अभाव होके नागरिक आधारभूत स्वास्थ्य सेवा पैनासे वञ्चित हुइ परल सेवाग्राही बटैठै ।

"महाकाली अस्पतालमे सक्कु उपचार कराके एकठो सिटिस्क्यानके लाग किल धनगढी जाइ पर्ना बाध्यता रहल बा", सेवाग्राही गणेश बोहरा कहलै, "यहाँ सिटिस्क्यानके आवश्यकता डेखल बा सरकारसे यकर व्यवस्थापन कैना जरुरी रहल बा ।" महाकाली अस्पताल स्वास्थ्य केन्द्रसे जिल्ला, अञ्चल हुइटी प्रादेशिक अस्पतालसम स्तरोन्नति हुइलेसे फेन नाउँमे किल स्तरोन्नति हुइल यहाँके स्थानीयके गुनासो रहल बा ।

'युट्युबकारिता' कि 'पत्रकारिता'

विचार
दीपक खनाल

सुरुमे अनलाइन माध्यमहे 'माध्यम' ओ वहाँ काम करनाहे 'पत्रकार' नैकठैं कना बुझाइ रहे । अनलाइन माध्यमके चर्चा ओ प्रभाव बह्रलेसे फेन उहिनहे बेवास्ता करजाए । कुछ अग्रज पत्रकारके नकारात्मक धारणा रहे । छापा माध्यम (ओम्ने फेन कौनो कौनो दैनिक) मे कार्यरत अनलाइन किल नैहोके, अन्य छापा माध्यमके पत्रकारहे समेत नैगनैं । राजाके निरंकुश शासनकालमे कुछ अनलाइन माध्यम नेपालमे खोले नैमिल्ना बनाइल रहे । अनलाइन माध्यमहे सरकारी दस्ताबेजमे ढरना ढेर पापड पेले परल रहे । अनलाइन मिडिया एसोसिएसन, साइबर जर्नालिस्ट एसोसिएसनलगायतके दबाब ओ सरकारसे गठित उच्चस्तरीय मिडिया सुझाव आयोग (२०६३) के सुझावपाछे अन्तरिम संविधान, २०६३ मे पहिलचो 'अनलाइन' शब्द रहे । उ संविधानके धारा १५ (२) मे लिखगैल– 'कौनो श्रव्य, दृश्य वा विद्युतीय उपकरणके माध्यमसे कौनो सामग्रीके प्रकाशन तथा प्रसारण करल वा छापलबापत ओकर सामग्री प्रकाशन तथा प्रसारण करना वा छाप्ना, रेडियो, टेलिभिजन, अनलाइन वा अन्य कौनो मेरिक डिजिटल वा विद्युतीय छापा वा अन्य सञ्चार माध्यमहे बन्द, जफत वा दर्ता खारेज करल नैहो ।' यद्यपि सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रके दीर्घकालीन नीति, २०५९ मे 'अनलाइन' शब्द उल्लेख करल रहे ।

अनलाइन माध्यमहे संविधानसे सम्बोधन करलेसे फेन दृष्टिकोण ओ व्यवहार परिवर्तन हुइल नैरहे । विद्युतीय (इलेक्ट्रोनिक) कारोबार ऐन, २०६३ के दफा ४७ हे टेकके प्रहरी प्रशासनसे कुछ पत्रकारहे सिधे पत्रे । यी पत्रकारके गिरफ्तारीके विरुद्धमे कमे बोलैं । अनलाइन माध्यमसे उपेक्षा सहके फेन अपनहे उभ्याइल मने परिस्थिति कहाँ नित्य रहठ टे ? यकर स्वभाव ओ गति टे एकडम अनित्य रहठ । पत्रिकामे क्रियाशील कुछ पत्रकार पेसासे पलायन हुइलैं कलेसे परम्परागत माध्यमसे अघाइलहुक्रे नयाँ स्वाद चख्न अनलाइन माध्यममे आबद्ध हुइ लग्लैं । अनलाइन माध्यमके विज्ञ बनके चिन्हे पैलैं ।

अनलाइन माध्यमहे सही मार्गमे नन्ना प्रेस काउन्सिल नेपालके विशेष भूमिके रहल । आचारसंहिताके दायरामे नान्के छोरल । २०७० सालके सावनमे सरोकारवालाबिच सामूहिक भेला कैके अनलाइन माध्यमके सूचीकरण सुरु करल । दोसर संविधान सभासे २०७२ साल असोज ३ गते जारी नेपालके संविधान फेन यिहिनहे नकारे नैसेकल । उ संविधानके धारा १९ (उपधारा १) के खण्ड २ मे स्पष्टसँग लेखल– 'कौनो श्रव्य, श्रव्य दृश्य वा विद्युतीय उपकरणके माध्यम वा छापाखानासे कौनो समाचार, लेख, सम्पादकीय, रचना, सूचना वा अन्य कौनो सामग्री मुद्रण, वा प्रकाशन, प्रसारण करल वा छापलबापत ओइसिन सामग्री प्रकाशन, प्रसारण करना वा छप्ना रेडियो, टेलिभिजन, अनलाइन वा अन्य कौना डिजिटल वा विद्युतीय उपकरण, छापा वा अन्य कौनो मेरिक डिजिटल वा विद्युतीय उपकरण, छापा वा अन्य सञ्चार माध्यमहे बन्द, जफत वा दर्ता खारेज वा ओइसिन सामग्री जफत नैकरजाइ ।'

पत्रकार आचारसंहिता, २०७३ अनलाइन माध्यमहे सञ्चार माध्यमके परिभाषाभित्रे पारगिल । यकर छुट्टे जिम्मेवारी उल्लेख करटि अनुगमन ओ कारबाहीके प्रावधान ढरगिल । काउन्सिल सूचीकरणके लाग आवेदन डेना अनलाइन माध्यमके अनुगमन ओ कारबाही, वहाँ कार्यरत पत्रकारके पेसागत संरक्षणमे भूमिका निभाइल । ढिरेसे यी सही मार्गमे आइल, अइटा । ओहे अनलाइन माध्यम अब्बे चार हजार चार सय ४८ के संख्यामे पुगल बा । यी माध्यमके हजार कमजोरी अभिन फेन बा टब फेन ठोकुवा कैके कहे सेक्ना, काल्हके अनलाइन पत्रकारितामे ८० के दशकमे आके ढेर परिपक्वपन ओ जिम्मेवारीपन बह्रल बा ।

यी सब इन्टरनेट याने डिजिटल प्लाटफर्ममे आधारित कर्म हो । सामाजिक सञ्जालमे फेन अन्य प्लाटफर्मसे युट्युब च्यानल चर्चा ओ प्रभाव जमैले बा । काल्ह अनलाइन माध्यमके जस्टे आज युट्युबके फेन धर दुर्बल पक्ष नैरहल नैहो मने सकारात्मक किल करलेसे यी भुइँ मनैन्के 'साझा चौतारी' हो । टबेमारे यिहिनहे तिरस्कार करे नैपरठ कना पत्रकारितालग्गे रहल युट्युब कर्महे और उपेक्षा करे नैसेक्जाइ । हुइना टे यिहे बुझके हुइ, अब्बे सरकार युट्युबलगायत सामाजिक सञ्जालके व्यवस्थापनमे जाँगर देखैले बा । सामाजिक सञ्जाल सञ्चालनसम्बन्धी निर्देशिका नान्के कानुन निर्माणके प्रक्रियामे लागल बा कलेसे सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालयसे आव ०८०/८१ मे युट्युब व्यवस्थापन ओ अभिमुखीकरणके लाग २५ लाख रुपैयाँ अनुदान छुट्याके ओकर जिम्मेवारी काउन्सिलहे डेकल बा ।

अनलाइन सञ्चार माध्यम सञ्चालन निर्देशिका, २०७३ (पहिल ओ दोसर संशोधन, २०७४) के परिभाषा उप्रेकसे खास फरक नैहो । यम्ने इन्टरनेटमे आधारित प्रविधिके प्रयोग कैके समाचार, सूचना, विचार, तस्बिर वा श्रव्य-दृश्यलगायतके समाचारमूलक वा जानकारीमूलक सामग्रीके उत्पादन, प्रकाशन, प्रसारण वा वितरणके प्रयोजनके लाग समाचार लेखन, सूचना तथा दृश्य संकलन एवं सम्पादनसम्बन्धी प्राविधिक कार्यहे 'अनलाइन पत्रकारिता' कहल बा । यम्ने प्रचलित कानुनबमोजिम स्थापना वा दर्ता होके पत्रकारिता ओ सम्पादकीय सिद्धान्त अंगीकार कैके इन्टरनेटके माध्यममे संकेत, चिह्न, अक्षर, आवाज, ग्राफिक्स, गीत, संगीत, भिडियो, एनिमेसन तथा टमान बहुमाध्यम (मल्टिमिडिया) के प्रयोग कैके सन्देशमूलक वा विषयगत विचार, सूचना तथा समाचार, तस्बिर, श्रव्य दृश्यके रूपमे उत्पादन, प्रकाशन, प्रसारण वा वितरण करना विधि, प्रक्रिया ओ माध्यमहे 'अनलाइन सञ्चारमाध्यम' कहिके परिभाषित करल बा । अइसिके उप्पर उल्लिखित पत्रकारितासम्बन्धी टमान दस्ताबेजमे 'इन्टरनेटमे आधारित,' 'इन्टरनेटके माध्यम' आदि शब्द प्रयोग करलेसे फेन युट्युबहे सिधे 'माध्यम' ओ युट्युब चलुइयनहे 'पत्रकार' कहल नैहो । अइसिन नैरना स्वाभाविक हो काहेकि समाचार माध्यम ओ सामाजिक माध्यमबिच गहिर भिन्नता बा ।

युट्युबके वर्तमान अवस्था उ बेलाके अनलाइनके जस्टे बा । यद्यपि युट्युब च्यानल फेन नेपालमे ७० के बिचसे चले लागल रहे । पहिले अनलाइनके जस्टे अब्बे युट्युबके चर्चा ओ प्रभाव छापा, रेडियो, टिभी, अनलाइनके से फेन डेखाइल हो । अब्बे युट्युबप्रतिके हेराइ उ बेलाके अनलाइनप्रतिके जस्टे बा । टमान मनै यहोर आकर्षित हुइल अवस्थामे फेन नकारात्मक आँखीसे हरजाइटा । नेपालमे विडम्बना यी बा कि कथित चर्चित पाछे सुरु करलेसे फेन ओहे कार्य मान्यता पाइ । सामान्य पहिले सुरु करल कार्यसे मान्यता नैपाजाइठ । काल्ह सामान्यसे पहिले सुरुके अनलाइन पत्रकारिता पहिचान पैना समय लागल ।

हो, अनलाइन माध्यम ओ युट्युब च्यानलमे धेर भिन्नता बा । अनलाइन माध्यम हो, युट्युब फेसबुक, ट्विटर, इस्टाग्राम, विच्याट, भाइबर, ह्वाट्स एप आदि जस्टे एक सामाजिक च्यानल हो । अइनमे एक समानता भर बा ।

समाधान कैसिक टे ?

नेपाल पत्रकार महासंघके विधान, २०६०-पाँचौं संशोधन, २०७५) मे छापा, प्रसारण तथा अनलाइन जस्टे कौनो फेन प्रकृतिके आमसञ्चारके माध्यमसँग आबद्ध विधानबमोजिम तोकल योग्यता पुगल समाचार संकलन, उत्पादन, सम्पादन, सम्प्रेषण, समाचार लेखन/पुनर्लेखन करना कार्यके साथे नियमित स्तम्भ लेखक, कार्टुनिस्ट, फोटो पत्रकार, प्रेस क्यामरापर्सन, समाचार तथा समाचारमूलक कार्यक्रम निर्माता तथा सञ्चालक, समीक्षक, साजसज्जा, स्केच, भाषा तथा श्रव्य दृश्य सम्पादक एवं स्वतन्त्र पत्रकारसमेतहे पत्रकार कहल बा । पत्रपत्रिका, रेडियो, टेलिभिजन, समाचार एजेन्सी ओ समाचार तथा समाचारमूलक कार्यक्रम उत्पादन तथा अनलाइन सेवाहे आमसञ्चार माध्यम जनाइल बा ।

पत्रकार आचारसंहिता, २०७३ (पहिल संशोधन, २०७६) सञ्चार प्रतिष्ठानमे व्यवस्थापकीय तथा प्रशासकीय अधिकार प्राप्त करल व्यक्तिबाहेक सञ्चारसम्बन्धी व्यवसाय वा सेवाहे प्रमुख व्यवसाय अपनाइ, पारिश्रमिक लेके सञ्चार प्रतिष्ठानमे पूर्ण वा आंशिक समय काम करना व्यक्ति सम्झे परठ ओ उ शब्द सञ्चार प्रतिष्ठानमे समाचार सामग्री संकलन, उत्पादन, सम्पादन वा सम्प्रेषण करना प्रधान सम्पादक, सम्पादक, संवाददाता, स्ट्रिन्जर, समाचारवाचक, कार्यक्रम निर्देशक, अनुवादक, साजसज्जा, प्राविधिक, स्तम्भ लेखक, फोटो पत्रकार, प्रेस क्यामेरापर्सन, व्यंग्य चित्रकार, कार्यक्रम निर्माता वा सञ्चालक, दृश्य वा भाषा सम्पादक जैसिन समाचार तथा समाचारमूलक कार्यक्रमसँग सम्बन्धित व्यक्तिहे 'पत्रकार' मानल बा । यिहे आचारसंहितामे इन्क्रिप्ट करल वा नैकरल, सर्वसाधारण वा निश्चित क्षेत्र वा वर्गके जनता जानकारी पाइ सेक्ना मेरिक पठैना श्रव्य वा दृश्य, श्रव्य दृश्य, कार्यक्रम, डाटा वा सूचनाहे रेडियो फ्रिक्वेन्सी, इन्टरनेट प्रोटोकल वा अन्य विद्युतीय वा विद्युत्-प्रकाशकीय (अप्टिकल) माध्यमसे करल कार्यहे प्रसारण करल बा । यिहिनसे छापा माध्यम, रेडियो, टेलिभिजन, अनलाइन ओ समाचार एजेन्सीहे सञ्चार माध्यम मानल बा ।

अस्टेक अनलाइन सञ्चार माध्यम सञ्चालन निर्देशिका, २०७३ (पहिल ओ दोसर संशोधन, २०७४) के परिभाषा उप्रेकसे खास फरक नैहो । यम्ने इन्टरनेटमे आधारित प्रविधिके प्रयोग कैके समाचार, सूचना, विचार, तस्बिर वा श्रव्य-दृश्यलगायतके समाचारमूलक वा जानकारीमूलक सामग्रीके उत्पादन, प्रकाशन, प्रसारण वा वितरणके प्रयोजनके लाग समाचार लेखन, सूचना तथा दृश्य संकलन एवं सम्पादनसम्बन्धी प्राविधिक कार्यहे 'अनलाइन पत्रकारिता' कहल बा । यम्ने प्रचलित कानुनबमोजिम स्थापना वा दर्ता होके पत्रकारिता ओ सम्पादकीय सिद्धान्त अंगीकार कैके इन्टरनेटके माध्यममे संकेत, चिह्न, अक्षर, आवाज, ग्राफिक्स, गीत, संगीत, भिडियो, एनिमेसन तथा टमान बहुमाध्यम (मल्टिमिडिया) के प्रयोग कैके सन्देशमूलक वा विषयगत विचार, सूचना तथा समाचार, तस्बिर, श्रव्य दृश्यके रूपमे उत्पादन, प्रकाशन, प्रसारण वा वितरण करना विधि, प्रक्रिया ओ माध्यमहे 'अनलाइन सञ्चारमाध्यम' कहिके परिभाषित करल बा ।

अइसिके उप्पर उल्लिखित पत्रकारितासम्बन्धी टमान दस्ताबेजमे 'इन्टरनेटमे आधारित,' 'इन्टरनेटके माध्यम' आदि शब्द प्रयोग करलेसे फेन युट्युबहे सिधे 'माध्यम' ओ युट्युब चलुइयनहे 'पत्रकार' कहल नैहो । अइसिन नैरना स्वाभाविक हो काहेकि समाचार माध्यम ओ सामाजिक माध्यमबिच गहिर भिन्नता बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठक वर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतबन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहुरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५

सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-५२४८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
ढमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५४७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुल्लाजा०९१-५२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

रेशम लिख्लै– प्रिय रन्जिता 'मिल्लेसे मनसे मिली, छुटेबेरफे जग नइहँसाके छुटी

काठमाडौं, ८ बैशाख । नागरिक उन्मुक्ति पार्टी (नाउपा) के संरक्षक रेशम चौधरी गोसिनीया रन्जितासंगके विवाद फेसबुकमे छताछुल्ल परले बटै । प्रचण्ड नेतृत्वके वर्तमान सरकारहे समर्थन कैना नइकैना कना विषयमे रेशम ओ रन्जिताबीच विवाद बा ।

यी विषयमे सम्झैना अपने फेर कैलालीसे काठमाडौं आई लागल उहाँ बटैले बटै । नाउपाके अध्यक्ष एवम् संसदीय दलके नेता समेत रहल रन्जिताहे और जे भरकैटी रहल उहाँक टिप्पणी बा । 'कुछ स्वार्थी मनै तोहार मोर सम्बन्ध ओ नागरिक उन्मुक्ति पार्टीहे सिद्धयइना खेलमे सहजे खेलल मै टे बुझल रहे मने टु नइबुझलो । टु सोझ ओ अन्जान बटो मने मुडी बटो कहिके लग्गेसे बुझ्गुइया ओकर फाइदा उठैलै ।

१. माननीय इन्दिरा गिरिहे कारबाही करे उक्सैलै ।

२. माननीय घनश्याम चौधरीहे संसदीय दलके नेतासे हटैना लगैलै

३. तुहिनहे उकासी उकासी पत्रउप्पर पत्र काटे लगैलै ।

यी सब करुइयाहे काल्हके परिणाम पत्ता रहे,' रेशम कहलै, 'यिहे हमार संवादहे कैसिक रोके सेक्जाई, अळबेफे रोक्न प्रयत्न करटी रहल बटै । मने आब रोके नइपरल । संवादके सुरुवात करेलेसे दुनहुनके मन हल्का हुई । नइबिस्रैहो रन्जिता, अइने हम्रहिनहे मजा नच्लै कहिके थोपरी बजाई जस्टे केल करल हुइट । वास्तवमे अइने हम्रहिनहे दुनहुन नडग्यइटी राखल केल हुइट ।'

उहाँ औरके बाट नइसुन्के पार्टीहितमे काम कैना आग्रह करले बटै । 'टु अटरा बुझो रन्जु, हमार पार्टी काठमाडौमे एमाले ओ टीकापुरमे माओवादी काहे बनठ ? यी दुनु नइबन्के नागरिक उन्मुक्ति पार्टी केल बने कना मोर चाहना हो,' उहाँ आघे कहले बटै । 'टुहिनहे मोर सुझाव बा रन्जु, अळबे कुछ दिन ३ तत्वसे दुर रहो, छाई कहुइयासे, भाउजी कहुइयासे, भान्जी कहुइयासे यी ३ के खेलसे बच्हो कल्याण अपनही हुई ।'

संरक्षक चौधरी मिल्लेसेफे मनसे मिल्न ओ अलग हुईबेरफे जग नइहँसाके अलग हुइना आग्रह करले बटै । 'जे टुहिन मन्त्री ज्यु कहठ उ चाहिँ टोहार असली कार्यकर्ता हो । अळबेफे मै काठमाडौंमे केवल टुहिन भेट्न उद्देश्यसे केल अइटु । केवल २ जानेक केल वार्तालाप हुई । एक आपसमे मन माझी,' उहाँ कहले बटै । 'मिल्लेसेफे मनसे मिली, अलग हुईबेरफे जग नइहँसाके छुट्टिई । हमार सन्तान इष्टमित्र सक्कुहुनहे आहट हुइल बा । यम्ने दुनहुनके भलाई बा ओ पार्टीके कल्याणफे ।'

उखु महोत्सवसे किसान उत्साहित

गुल्मी, ८ वैशाख । छत्रकोट गाउँपालिकामे आयोजना हुइल उखु महोत्सवसे उखु किसान उत्साहित बनल बटैं । उखुके उत्पादनहे थप व्यावसायिक बनैटि ओरक प्रवर्द्धन ओ विकासके लाग गाउँपालिका वडा नम्बर ४ अन्तर्गत दिगामे शुकके एकदिने उखु महोत्सवके आयोजना करल बा ।

पालिकाहे उखुमे आत्मनिर्भर बनाइक लाग आयोजना करना महोत्सवमे पराम्परागत शैलीमे गोरुके प्रयोग कैके उखु पेल्ना, खुदो ओ गुँड बनैना कार्यके अतिरिक्त उखुके रससे उत्पादित सामग्रीहे प्रदर्शनीमे रहल रहे । महोत्सवमे स्थानीय जातके सेतो कोसेर, रातो कोसेर, कालो कोसेर, जीतपुर कोसेर एवम् पुरान जातके उखु प्रदर्शन करल रहे । गाउँपालिकाके वडा नम्बर ४ स्थित दिगाममे पहिलचो सञ्चालन करल महोत्सवमे उखुके महत्व ओ ओकर उपयोगिताके बारेमे टमान गीत तथा सांस्कृतिक झाँकीसमेत प्रस्तुत करल रहे ।

उखु महोत्सवमे जिल्ला समन्वय समितिके प्रमुख द्रोणबहादुर खत्री छत्रकोटके कृषि क्षेत्रमे नौलो कार्यक्रम करना उ पालिका रहल बटैलैं । उहाँ छत्रकोटसे उखुखेतीके माध्यमसे आर्थिकोपार्जन कैके समुन्नति हासिल करे सेक्ना बटैलैं । महोत्सवमे गाउँपालिकाके अध्यक्ष रामप्रसाद पाण्डे उखुके प्रवर्द्धन ओ विकाससँगे किसानहे अभिन ढेर व्यावसायिक बनाइक लाग उखु महोत्सव आयोजना करल जानकारी डेलैं ।

उहाँ महोत्सवसे किसानमे अपन उत्पादन बिक्री करना ओ ओकर प्रचार-प्रसार करना थप मद्दत पुगल बटैलैं । कार्यक्रममे उखु महोत्सवके संयोजक एवम् व्यावसायिक उखु कृषक रामकृष्ण न्यौपाने गाउँमे आयोजना करना अइसिन मेरिक मेला महोत्सव किसानहे फेन थप उत्प्रेरणा जगैना काम करल बटैलैं । यिहिनसे उखु किसान थप उत्साहित बनल कटि यिहिनहे आगामी वर्षमे फेन निरन्तरता डेना आग्रह करले रहैं ।

महोत्सवमे गाउँपालिका उपाध्यक्ष सावित्रा ज्ञवाली, कृषि ज्ञान केन्द्रके प्रमुख नवराज भण्डारी, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत वीरबहादुर पुनलगायतके व्यक्ति महोत्सवसे उखु किसानहे थप हौसला बह्राइल बटैलैं । गाउँपालिकामे किल तीन सय किसान व्यावसायिक उखुखेतीमे लागल बटैलैं । जिल्लाके खेतीयोग्य जमिनमध्ये एक सय ९० हेक्टर क्षेत्रफलमे व्यावसायिकरुपमे उखुखेती करल बा । यी वर्ष जिल्लामे पाँच सय ८९ मेट्रिकटन उखुजन्य पदार्थ (खुदो ओ गुड) उत्पादन हुइल कृषि ज्ञान केन्द्रके प्रमुख भण्डारी जानकारी डेलैं । जिल्लामे यी चो पाँच करोड ४५ लाख बराबरके उखुजन्य पदार्थ उत्पादन हुइल जनाइल बा ।

हरवाचरवा अधिकार मञ्चके नयाँ कार्यसमिति चयन

जनकपुरधाम, ८ वैशाख । जनकपुरमे हुइल राष्ट्रिय हरवाचरवा अधिकार मञ्चके टिसरा राष्ट्रिय सम्मेलन १७ बुँदे घोषणा-पत्र जारी करटी ओराइल बा । जनकपुरमे हुइल सम्मेलनसे मुक्त हरवाचरवाहुकनके पुन:स्थापना सम्बन्धी कार्यविधि ओ कार्ययोजनाहे अबिलम्ब पारित करके लगत संकलन, प्रमाणीकरण ओ परिचयपत्र वितरणलगायत काम सुरु कैना माग करल बा ।

मुक्तिके घोषणा करलेसेफे पुनर्स्थापनामे ध्यान नइडेहल कहटी तत्काल पुनर्स्थापनाके काम कैना सम्मेलनसे संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तहके सरकारहे आग्रह करल हो ।

सम्मेलनसे भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिवी निवारण मन्त्रालयसे तयार करके अर्थमन्त्रालयमे पठाइल पुनर्स्थापना सम्बन्धी कार्यविधि ओ कार्ययोजना पारित कैना ओ मुक्त हलिया, कमैया-कम्लहरी तथा हरवाचरवाके वस्तुस्थिति अध्ययन समितिसे सरकार समक्ष पेश करल सिफारिससहितके प्रतिवेदन तत्काल कार्यान्वयन कैना माग करले बा ।

ओस्टेक, हरवाचरवाहे कम्तीमे १० कटठा जमिन, वैकल्पिक रोजगारीमे लग्ना इच्छुक रोजगारीविहीन हरवाचरवाहे तीन महिना, छ महिना ओ नम्मा अवधिके सीपमूलक तालिम, एक लाख रुपैयाँके बीउ पुँजी ओ आवश्यक औजार प्रदान कैनाफे गाग करल बा । सम्मेलनसे जमिन तथा बसाइके प्रमाण नइहुइल कारण आधासे ढेर हरवाचरवाह नागरिकतासे वञ्चित हुइल कहटी वैकल्पिक व्यवस्था कैना तथा विकासके नाममे मुक्त हरवाचरवाहे बसोवास करटी आइल स्थानसे विस्थापित नइकैना मागफे करले बा । मुक्त हलिया, कमैया, कम्लहरी ओ हरवाचरवाहुकनके समस्याके दिगो समाधान कैना, पुन:स्थापना कार्यक्रमहे प्रभावकारी बनैना ओ बाध्यकारी श्रमहे कानुनी रुपमे सदाके लाग निषेध कैना एकीकृत बाध्यकारी श्रम निषेध ऐन बनैना सम्मेलनसे माग करले बा । २५ सदस्यीय कार्य समिति गठन ।

युट्युबकारिता...

पत्रकार आचारसंहिता २०७३, (पहिल संशोधन २०७६) के १४ बुँदामे प्रेस काउन्सिल नेपाल पत्रकार एवं सञ्चार माध्यमसे प्रयोग करना (सञ्चालन करना) सामाजिक सञ्जालमे प्रवाह हुइल सामग्रीके प्रवृत्तिगत अध्ययन करे सेक्ना उल्लेख हुइलेसे फेन यिहिनहे पर्याप्त ओ बलगर आधार मानके 'युट्युबकारिता' हे 'पत्रकारिता' ओ 'युट्युबर'हे 'पत्रकार' कहे फेन नैसेक्जाइ काहेकि आचारसंहिता कानुन नैहो टबफेन आब टबेमारे 'युट्युबकारिता' कि 'पत्रकारिता' कि 'सञ्चारकारिता' या 'सूचनाकारिता' ? स्पष्ट निर्णय करे परठ । पत्रकारिता ओ अन्य उद्देश्यसे युट्युब चलुइयनबिच भिन्नता छुट्याइ परल । अइसिन निष्कर्षमे पुगके लाग आब प्रेस काउन्सिल नेपालके २०७८ साल जेठ १० गतेक बोर्ड बैठकसे करल निर्णयानुसार दर्ता होके मिडियाके रूपमे सञ्चालित युट्युब च्यानलहे सूचीकरण करे परठ । सब सरोकारवालाबिच छलफल कैके समाचार संकलन, लेखन/पुनर्लेखन, प्रशोधन, सम्पादन ओ सम्प्रेषण जैसिन पत्रकारिताके आधारभूत तत्व अनुसार करल सञ्चारकर्महे 'पत्रकारिता' ओ अइसिके युट्युब चलुइयनहे 'पत्रकार' कना निर्णय करे परल । काहेकि पत्रकारिताओर लक्षित युट्युबकारितामे अळबे फेन खोजी, संकलन बा, नैरहल सम्पादन, सन्तुलन (गेटकिपिङ) हो । अइसिन हुइलेपाछे यिहे प्लाटफर्मसे पत्रकारिताबाहेक करना अन्य कार्यहे युट्युबकारिता ओ अइसिन कार्य करनाहे युट्युबर कहे सेक्जाइ । यम्ने स्पष्ट हुइलपाछे अइसिन युट्युब च्यानल ओ सञ्चालकहे पत्रकार आचारसंहिता पालनामे प्रतिबद्ध कराइ परल । यकर लाग मिडिया अन्तर्गत सञ्चालित युट्युबके नियमन (अनुगमन, स्वअनुगमन), उजुरी सुनुवाइ, कारबाही करना अधिकार स्पष्ट रूपमे काउन्सिलहे डेहे परल ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय धनगढी, कैलालीको सम्पूर्ण उपभोक्ता बर्गमा अनुरोध

१. पकाएर खानुपर्ने खाद्य पदार्थमा रंगको प्रयोगमा प्रचलित खाद्य ऐन नियमले बन्देज लगाएको हुँदा खाद्य पदार्थमा रंगको प्रयोग नगरौं ।
२. खाद्य वस्तु तयार गर्दा रंगको प्रयोग गर्नै पर्ने भएमा स्वीकृत गरिएका खाद्य रंगहरू तोकिएको मात्रामा विधि अनुसार मात्र प्रयोग गरौं ।
३. खाद्य पदार्थको प्याकेट भित्र खैलौना, सिटी, बेलुन आदी राख्नु प्रतिबन्धित भएकाले त्यस्ता खाद्य बस्तुहरू उत्पादन, खरिद बिक्री र उपभोग नगरौं ।
४. सिलबन्दी खाद्य बस्तुमा लेबल सम्बन्धि सम्पूर्ण विवरणहरू अधुरो भएमा र उपभोग्य मिति समाप्त भएका प्याकेट बन्द खाद्यबस्तुहरू खरिद बिक्री, संचय र उपभोग नगरौं ।
५. खाद्य पदार्थको नाम, उत्पादन मिति, उपभोग्य अवधि, उत्पादकको नाम, ठेगान, मूल्य, तौल, अनुज्ञापत्र नम्बर लगायत विवरण अनिवार्य उल्लेख गरौं ।

खाद्य प्रविधि तथा गुण नियन्त्रण कार्यालय

धनगढी, कैलाली

कर्मचारी पदपूर्ति सम्बन्धी सूचना

प्रथम पटक प्रकाशित मिति २०८०/१२/१९

विज्ञापन नं.७/२०८०/०८१

यस हस्पिटलका लागि तपसिल बमोजिमका कर्मचारीहरू आवश्यक परेको हुँदा इच्छुक तथा योग्यता पुगेका व्यक्तिले यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १० दिनभित्र रित पूर्वको दरखास्त फाराम आहवान गरिन्छ ।

तपसिल

सि.नं.	पद	संख्या	शैक्षिक योग्यता
१.	MD Radiologist	१ (एक)	MD Radiology विषय उर्तिण गरेको ।
२.	Paediatric Surgeon	१ (एक)	MS Paediatric विषय उर्तिण गरेको ।
३.	Hepatologist	१ (एक)	DM Hepatology विषय उर्तिण गरेको ।
४.	Gynaecologist	१ (एक)	MD Gynaecology विषय उर्तिण गरेको ।
५.	CT-Scan Technician	२ (दुई)	B.Sc. MIT विषय उर्तिण गरेको ।
६.	Biomedical Engineer	१ (एक)	Bachelor Bio-Medical Engineering विषय उर्तिण गरेको ।
७.	Clinical Biochemist	१ (एक)	Postgraduate Clinical Biochemist विषय उर्तिण गरेको ।
८.	Laboratory Technologist	१ (एक)	BMLT विषय उर्तिण गरेको ।
९.	Dental Hygienist	१ (एक)	Dental Hygiene विषय उर्तिण गरेको ।
१०.	Pharmacy Assistant	केही	Diploma in Pharmacy विषय उर्तिण गरेको ।

- पेश गर्नुपर्ने कागजातहरु :- शैक्षिक योग्यता अनुसारका मार्कशीट, सर्टिफिकेट तथा सम्बन्धित काउन्सीलको नविकरण भएको प्रमाण-पत्र, नेपाली नागरीकताको प्रमाण-पत्र र काम गरेको भए अनुभवको प्रमाण-पत्र साथ दरखास्त पेश गर्नुपर्नेछ ।
- अनुभवीलाई विशेष ग्राहेता दिईनेछ ।
- तलब सुविधा :- हस्पिटलको नियमानुसार ।
- उमेर :- १८ वर्ष पुरा भै ४० वर्ष ननाघेको हुनुपर्नेछ ।
- परीक्षाको किसिम :- मौखिक ।

थप जानकारीको लागि ०९१-५२७०००/९८६५६८०१०० Email: nisargahospitalnepal@gmail.com

निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं, व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा राम्रो साझा प्रतिवद्धता ।
- बालश्रमको पंयोग नगरौं, नगराऔं ।
- बालश्रमको अन्त्य गरी शिक्षातर्फ उन्मुख गराऔं ।
- बालश्रम शाषण विरुद्धको अभियानमा हातेमालो गरौं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रूपमा गर्नु गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो, अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- रोजगार र श्रमिकबीच सुमधुर सम्बन्ध कायम गरौं ।
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

शुक्लाफाँटामे बाघ ओ गैंडाके संख्या वृद्धि

कञ्चरपुर, ८ बैशाख । कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे बाघनके संख्या ४४ पुगल बा । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे दुई बरस आघे करल राष्ट्रिय गणानाके तुलनामे गैल बरस करल गणानामे बाघनके संख्या बह्रल निकुञ्ज कार्यालय जनाइल हो । वन्यजन्तु सप्ताहके अवसर पारके शुकके गणनाके नतिजा सार्वजनिक करल हो ।

निकुञ्ज कार्यालयसे फागुन ५ से २२ गतेसम क्यामेरा ट्रयापिङ बिधिसे करल गणना अनुसार २४ भाले ओ १७ पोथी तथा विश्लेषणके आधार थप ३ कैके बाघनके संख्या ४४ पुगल जनाइल बा । दुई बरस आघे करल राष्ट्रिय गणानामे यहाँ बाघके संख्या ३६ रहे । ३ सय ५ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रमे रहल निकुञ्जहे २/२ किलोमिटरके ९२ ग्रिड बनाके हरेक ग्रिडमे एकजोडी स्वचालित क्यामेरा राखल रहे । १५ दिनसम राखल क्यामेरामे संकलन हुइल तस्विर विश्लेषण कैके बाघनके गणना करल हो ।

निकुञ्जके वरिष्ठ संरक्षण अधिकृत प्रमोद भट्टराई ...संख्याकम रहल ओ चोरी शिकार हुइ सेक्ना जोखिम रहल क्षेत्रमे नियमित रुपमे अनुगमनकरे पर्ना बटैलै । राष्ट्रिय गणानासंगे नियमित रुपमे फेन गणना ओ अनुगमन कैटी आइल बटैलै ।

इ बेरके गणनामे निकुञ्जके सक्कु क्षेत्रमे बाघनके विचरण डेखल बा । दुई बरस आघेक राष्ट्रिय गणनामे निकुञ्जके विस्तारित क्षेत्रमे बाघनके विचरण नैडेख गैल रहे । मने इ बेर विस्तारित क्षेत्रमे फेन बाघनके विचरण डेखल बा ।

तत्कालिन वन्यजन्तु आरक्षके १ सय ५५ वर्ग किलोमिटर क्षेत्र बिस्तार करल हो । वन्यजन्तु आरक्षलहे २०७१ मे निकुञ्जमे स्तरोन्नति करल हो । ...इ बेरके गणनामे बाघनके संख्या किल नैहोके ओइनसे कैना विचरण वा शरीरमे रहल चिन्हके आधारमे नामाकरण फेन करल राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोषके शुक्लाफाँटा संरक्षण कार्यक्रम प्रमुख लक्ष्मीराज जोशी बटैलै । कौन बाघ कहाँर जैठै, कत्रा बिचरण करठै, शरीरमे कैसिन चिन्ह बा, सक्कु पहिचान करल उहाँ बटैलै । आगामी दिनमे फेन बाघनके अनुगमन वा गणना करेबर होए वा कौनो घटना हुयबर नाउँसे सजिल हुइना ओ हकान कहाइ रहल बा ।

बाघनके संख्या बृद्धिसंगे बासस्थान ओ आहारा प्रजातिके व्यवस्थापनमे फेन ओत्रे ध्यान डेहे पर्ना वरिष्ठ संरक्षण अधिकृत भट्टराई बटैलै । उहाँ आहारा प्रजाति ओ वासस्थान मजा रहल कराण निरन्तर संख्या बृद्धि हुइल बटैलै । निकुञ्ज भिट्टर रहल बाघ अब्बे चुरेसे नेपाल-सीमासम विचरण करटी रहल बटैलै । ओस्टके निकुञ्जमे गैल बरस करल गणनामे २० ठो गैंडा भेटलमे हाल गैंडा संख्या फेन २३ पुगल बा । ६ भाले १० पोथी तथा ७ पहिचान नैरहल गैंडाके संख्या २३ पुगल निकुञ्ज कार्यालय जनैले बा ।

शुक्लाफाँटामे १०९५ मे रानीताल क्षेत्रके एक रैथाने गैंडा डेखलपाछे यहाँ सम्भाव्यता अध्ययन करल रहे । ओकरपाछे २००० मे चितवनमे ४ गैंडा स्थानान्तरण करल रहे । ओकरपाछे फेनसे २०१७ मे चितवनसे थप ५ गैंडा स्थानान्तरण करलमे हाल ओहे संख्याबह्के २३ पुगल बटाइल बा । बाघनके जस्टे गैंडाके फेन वासस्थान ओ शरीरमे रहल चिन्हके आधारमे नामाकरण करल बा । यकर आधारमे आगामी दिनमे गणनासे अन्य अनुसन्धानमे सहज हुइना जोशी बटैलै । लडियानाला ओ टल्वासे चरन क्षेत्र मजा रहल कारण गैंडाके बासस्थान उपयुक्त मानल ओरसे फेन उ संख्या बह्रल पाइल बा ।

खेलकुद क्षेत्रके बजेट बह्राबः मुख्यमन्त्री सोडारी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ८ बैशाख । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री दीर्घबहादुर सोडारी खेलकुद क्षेत्रके विकासके लाग आगामी बजेटमे विशेष व्यवस्था कैना बटैले बटैं ।

१४ औं केन्द्रस्तरीय राष्ट्रपति रनिङशिल्ड प्रतियोगितामे टमान पदक जिटुइया खेलाडीके बधाई तथा सम्मानमे आयोजित कार्यक्रममे मुख्यमन्त्री सोडारी खेलाडीहुक्के प्रदेशके गरिमा बह्राइल ओरसे सहयोग कैना प्रतिवद्धता जनैलै ।

काठमाडौँमे हुइल राष्ट्रपति रनिङशिल्ड प्रतियोगितामे सुदूरपश्चिमसे १९ स्वर्ण, रजत १२, कास्य १८ सहित ४९ पदक जिटके पहिल हुइल रहे । उप्रतियोगितामे बागमतीसे १७, कर्णाली १०, कोशी ८, लुम्बिनी ६, गण्डकी ३ ओ मधेस ३ स्वर्ण पदक जिटल रहिट ।

प्रतियोगितामे तीन हजार मिटर एथ्लेटिक्समे १० मिनेट ५२ सेकेन्ड ८२ पल्समे पार कैके देविकाकुमारी धामी जुनियर ओर नेशनल रेकर्ड कायम करल रही । सुदूरपश्चिमके आशिष महरत्रिपल जम्प १४.१९ मिटर जुनियर ओर नेशनल रेकर्ड कायम करल रहिट ।

सम्मान तथा बधाई कार्यक्रम सुदूरपश्चिम खेलकुद परिषदके सदस्य सचिव दीपकबहादुर सिंहके अध्यक्षतामे हुइल रहे ।

उदासीपुरमे वडा स्तरीय बाल भेला

पहुरा समाचारदाता

मसुरिया, ८ बैशाख । कैलालीके गौरीगंगा नगरपालिका-१० उदासीपुरमे वडा स्तरीय बाल भेला कार्यक्रम निम्जल बा । गौरीगंगा नगरपालिका वडा नम्बर १० के समन्वय, बाल कल्याण संघ/वर्ल्डभिजनके आर्थिक सहयोग,वडा स्तरीय बाल सञ्जाल, बाल अधिकार समिति ओ बाल मैत्री स्थानीय शासन समितिके आयोजनामे कार्यक्रम हुइल रहे ।

वडा स्तरीय बाल सञ्जालके संयोजक पुष्पा बोहराके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके बरका पहुना गौरीगंगा नगरपालिका वडा नम्बर १० के वडा अध्यक्ष नरसिंह सार्की रहल रहिट । कार्यक्रममे वडा सदस्य तिलाराम चौधरी, जानकी बोहरा ओ पूर्व कार्यपालिका सदस्य विनीता महरके सहभागिता रहल रहे । कार्यक्रममे बोल्टी वडा अध्यक्ष सार्की बालबालिकाके लाग आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ मे बालबालिकाके लाग बजेट विनियोजन कैना ओ २०८१ साल भिटर यी वडाहे बालमैत्री वडा बनैना प्रतिवद्ध करलै । कार्यक्रममे बालबालिकाहुके बाल भेलामे सहभागी हुके बालबालिका सवाल पहिचान करके कार्य योजना बनाइल बटैलै । बालबालिकाहे मन पर्ना, मन नइपर्ना, जोखिमके स्थान, परिकल्पना लगाएतके विषयमे छलफल करल रहे । एक दिने वडा स्तरीय बाल भेला कार्यक्रमके सहजीकरण बाल कल्याण संघके टिकापुरके सामाजिक परिचालक प्रेम चौधरी करले रहिट । कार्यक्रममे प्रत्येक टोलसे ३२ जाने बालबालिकाके उपस्थिति रहे ।

पशुपति सावउसको अनुरोध

वनलाई डढेलोबाट बचाउन निम्न उपायहरू अपनाऔं ।

१. चुरोट तथा बिडीका ठुटाहरू जथाभावी नफालौं, सलाई चुरोट तथा बिडीका ठुटाहरु राम्रोसंग निभाऔं ।
२. जंगलमा घाँस पलाउने आसमा वनमा डढेलो नलगाऔं ।
३. हुरी बतास चल्ने ठाँउमा आगो नबालौं, बाल्नै परे होसियार अपनाऔं ।
४. डढेलो बाट वन जोगाऔं, जैविक विविधताको संरक्षण गरौं ।
५. आगलागी भई हालेमा स्थानीय सुरक्षा निकाय र वन कार्यालयमा खबर गरौं, सबै मिली निभाऔं ।
६. वन क्षेत्रको बाटोको दायाँ-बायाँ रहेका पतिङ्गर सल्लीपिरलहटाइ सफा राखौं ।
७. गाउँ टोलमा आगलागी तथा वन डढेलोको रोकथामको बारेमा आजैबाट कुरा गरौं (जनचेतना फैलाऔं) ।
८. पानीको मुहान पोखरी र दहको संरक्षण तथा संवर्द्धन गरौं ।
९. वनमा डढेलो लगाउने कार्य दण्डनीय अपराध भएकाले त्यस्ता व्यक्तिहरुलाई कानुनी कारवाहीको दायरामा ल्याऔं ।

साथै नयाँ वर्ष २०८१ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता, वन संरक्षणप्रेमी तथा नेपाली दाजुभाइ, दिदीबहिनीहरूमा सुख, शान्ति, समृद्धि एवम् उत्तरोउत्तर प्रगतिको कामना गर्दै हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त कर्दछौं ।

पशुपति सावउस परिवार

भजनी-१, गौनहिया, कैलाली

सर्पले टोकेको अवस्थामा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरु

- सर्पले टोकेका व्यक्ति आत्तिन सक्छन्, सान्त्वना दिऔं,
- आफ्नो नजिक सर्पदंश उपचार केन्द्र कहाँ छ ? जानकारी राखौं।
- सर्पले टोकेका व्यक्तिलाई तुरुन्त अस्पताल वा सर्पदंश उपचार केन्द्र पुऱ्याऔं,
- सवारी साधनमा घाईतेलाई बसाएर सर्पले टोकेको ठाउँलाई मिलेसम्म मुटुको सतहभन्दा तल पारी लैजाऔं,
- गलत परम्परागत उपचार विधि (झारफूक) तिर नलागौं,

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. सौरभ सुवेदी
फिजिसियन

डाक्टर आउने मितिः
प्रत्येक दिन २४ औं घण्टा

सेवाहरू:
- पेट, मुटु तथा छातीको रोगसम्बन्धी समस्या,
- मधुमेह (डायविटिज) समस्या,
- कलेजो रोग सम्बन्धी समस्या,
- TB, हेपाटाइटिस रोगको समस्या,
- ब्लड प्रेसर तथा हृदय रोग सम्बन्धी समस्या ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

***हाम्रा सेवाहरू** : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५४५, ५२४६५४, ५२१२४९

साबुन पानीसे मिसमिस हात धुइलेसे हेग्नीपोक्नी ओ अन्य सरुवा रोगसे बँचे सेक्जाईठ् ।